प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय का 34वां दीक्षांत समारोह आयोजित

पंतनगर। 16 फरवरी 2023। देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय एवं हरित क्रांति की जननी पंतनगर में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तराखण्ड के राज्यपाल एवं कुलाधिपति ले. जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह द्वारा 2503 विद्यार्थियों को उपाधि व दीक्षा प्रदान की गयी। इस अवसर पर महामहिम ने कहा कि पी.एचडी. एक अलग ही लेवल है और आज से 275 उपाधि धारक डॉक्टर कहलाएंगें। इस क्षण डिग्री एवं मेडल लेने आए विद्यार्थियों में एक अलग ही उत्साह दिखा जोकि बहुत ही अहम है। आज उत्तराखण्ड की बेटियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। यहां तक एक परिवार की दो बहनों ने मेडल हासिल किया है। उन्होंने विद्यार्थियों के माता–पिता और गुरूजनों को हार्दिक बधाई दी और विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने माता–पिता, गुरूजन एवं साथी को न भूलें। दीक्षांत समारोह एक महोत्सव की तरह होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप सपने देखिए और संकल्प लिजिए। पंतनगर हरित क्रांति की जननी रहा है और पुनः बीज, कृषि और औद्यानिकी में क्रांति लाने की आवश्यकता है। हम यदि पूरी जिम्मेदारी से योगदान करे तो हमें कोई विकसित राष्ट्र और विश्वगुरू होने से कोई रोक नहीं सकता। त्रिशुल की तरह तीन बातों को विद्यार्थी धारण करें प्रथम आप स्वयं की योग्यता को पहचाने, द्वितीय सोच, विचार एवं धारणा को बहुत उच्चे स्तर पर लें जाएं और तृतीय स्वयं में अनुशासन को बनाएं रखें। उन्होंने कीर्ति चक्र से सम्मानित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विज्ञान वारिधि की उपाधि से सम्मानित किये जाने पर बहुत हर्ष व्यक्त किया।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डोभाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय हमारे राष्ट्र के लिए गौरव का एक स्तम्भ चिन्ह है। हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि हमें यहां आने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने देश की सेवा उस समय की है कि जब हमारे देश में अकाल की स्थिति थी और अन्य देशों से खाद्यान्न का आयात करना पड़ता था। आज हम खाद्यान्न में सक्षम ही नहीं बल्कि अन्य देशों को निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं शोध कर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोसी देश चीन में हमसे कम जमीन में अधिक खाद्यान्न का उत्पादन किया जा रहा है और हमें खाद्यान्न में वृद्धि करने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। राष्ट्र सुरक्षा के लिए खाद्य सुरक्षा एक महत्वपूर्ण आयाम है। उन्होंने छात्रों और युवा वैज्ञानिकों से अगले दस वर्षों में उत्पादन को बढ़ाने में योगदान हेतु आह्वान किया।

विशेष अतिथि कृषि मंत्री, उत्तराखण्ड गणेश जोशी ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड का भविष्य उज्जवल दिखाई दे रहा है क्योंकि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की संख्या बढ़ रही है। देश के 74 कृषि विश्वविद्यालयों में नम्बर एक पर है। देश में कृषि का क्षेत्रफल कम हो रहा है लेकिन उत्पादन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विलुप्त होती पहाड़ी खाद्य प्रजातियों पर शोध करने की आवश्यकता है। आज हम खाद्यान्न के क्षेत्र में विश्व में नम्बर दो पर है। हम 140 करोड़ की जनसंख्या होने के बावजूद भी 20 से 25 देशों को खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं। मोटे अनाजों का अब हमारे भोजन में उपयोग किया जा रहा है। देश में ही नहीं वरन विदेशों में भी मोटे अनाजों की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। केन्द्र सरकार ने मडुआ का भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया है। किसानों की आय दोगुनी करने का सपना पूर्ण किया जाना है। औद्यानिकी के क्षेत्र में कश्मीर व हिमाचल के बाद सेब में उत्तराखण्ड का स्थान है। डिजटल खेती, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। जैविक और प्राकृतिक खेती पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मिलेटस को मीड–डे मिल में शामिल किया जा रहा है। उपाधिधारक एवं मेडल प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद डा. हिमांशु पाठक ने कहा कि दीक्षांत समारोह हमारे जीवन में एक विशेष स्थान रखता है और चिरस्मणीय होता है। वे इस बात से आहलादित थे कि महामहिम प्रत्येक छात्र से उसके माता–पिता के बारे में पूछ रहे थे, जोकि अपने में एक बहुत बड़ा संदेश है। उपाधि धारकों में छात्राओं की अधिक संख्या देखकर लिंग समानता इस विश्वविद्यालय में होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने कहा कि युवा वैज्ञानिकों से बहुत अपेक्षाएं और अधिक परिश्रम करना है ताकि प्रधानमंत्री की 2047 में भारत देश के उन्नतशील राष्ट्र से उन्नत राष्ट्र बनाना है और हम इस समय अमृतकाल से गुजर रहे है। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए आह्वान किया कि अपने साथ देश और समाज को उन्नत बनाएं।

महामहिम द्वारा दीक्षांत समारोह की कार्यवाही प्रारम्भ करने की घोषणा के साथ ही कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय हरित क्रांति के रूप में अग्रसर रहकर कृषि, पशुधन, दूध तथा मत्स्य उत्पादन में भी अपना अहम योगदान दे रहा है। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय को विश्व क्यूएस रैंकिंग में 361वां स्थान प्राप्त हुआ तथा कृषि शिक्षा और अनुसंधान में किए गए योगदान के लिए 'आउटलुक एग्रीटेक समिट एंड स्वराज अवार्ड 2022' से केंन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय में महामहिम राज्यपाल द्वारा म्यूजियम, जनरल विपिन रावत पर्वतीय शोध शिक्षणालय का उद्घाटन किया गया। कृषि मंत्री द्वारा कृषि महाविद्यालय में वेलनेस एंड मेडिटेशन सेंटर में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का भी अनावरण किया गया। उन्होंने कहा कि पहला प्रौद्योगिक सक्षम केन्द्र जो उत्तराखण्ड एवं आईसीएआर प्रणाली दोनों में पहला टीईसी है, विश्वविद्यालय को मिला है। इस अवसर पर वर्ष 2020–2021 तथा 2021–22 में डिग्री पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को उपाधि तथा मेडल प्रदान किया गया। प्रत्येक वर्ष के लिए एक सर्वोत्तम स्नातक को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उपरोक्त दोनों वर्ष के लिए कुल 26 कुलपति स्वर्ण पदक, 22 कुलपति रजत पदक तथा 22 कुलपति कांस्य पदक से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।

कुलसचिव डा. ए.के. शुक्ला ने समारोह का संचालन किया एवं अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रबन्ध परिषद् एवं विद्वत परिषद् के सदस्यों के साथ–साथ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी, प्रगतिशील कृषक तथा प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि से सम्मानित करते हुए।

महामहिम उपाधि धारकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए।

दीक्षांत समारोह में मंचासीन महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड ले.ज. गुरमीत सिंह; कृषि मंत्री, उत्तराखण्ड, गणेश जोशी; राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, अजीत डोभाल, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक आईसीएआर, डा. हिमांशु पाठक; कुलपति डा. एम.एस. चौहान एवं कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला।

महामहिम विद्यार्थी को उपाधि प्रदान करते हुए।